तसर संवाद

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिस्का नगड़ी, राँची

अंक - 10, दिसम्बर, 2016

सम्पादकीय डेस्क से .....

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, पिस्का नगड़ी, राँची अपने स्थापना काल से भारतीय तसर रेशम उद्योग को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत् है। विश्व अर्थ-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए तसर रेशम उत्पादन एवं उत्पादकता की अभिवृद्धि के लिए वैज्ञानिकों द्वारा लगातार अभिनव अनुसंधान किये जा रहे हैं। इसके आशाजनक परिणाम सामने आने लगे हैं। विगत कुछ वर्षों में तसर रेशम उत्पादन में उत्साहजनक वृद्धि हुई है। यह सदैव ध्यान में रखा जाता है कि संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों की लागत कम हो ताकि इस उद्योग से जुड़े ग्रामीण किसान इसे आसानी से स्वीकार कर सकें। हाल ही में बहुसंस्थानिक समर्थन एवं सहयोग से एक अनुसंधान परियोजना प्रारम्भ करने का निर्णय इस उद्योग को नया विस्तार देने में मील का पत्थर साबित होगा। इसके अतिरिक्त संस्थान भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्यरत् है। विगत छः माह में संस्थान एवं इसके अधीनस्थ केन्द्रों में विभिन्न प्रकार के आयोजन सफलतापूर्वक किये गये । तत्सम्बन्धी संक्षिप्त रिपोर्ट उपर्युक्त तथ्यों के साक्ष्य हैं। राष्ट्रीय स्तर पर हमारे कार्यों की सराहना हुई है। विभिन्न मंचों पर हमारे वैज्ञानिकों ने सक्रिय एवं सार्थक उपस्थिति दर्ज करायी है एवं इनके द्वारा किए जा रहे कार्यों को मान्यता मिली है। हम तसर रेशम उद्योग को नया आयाम प्रदान करने के लिए पूरी सक्षमता, समर्पण, निष्ठा तथा नित नये उत्साह के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संस्थान के निदेशक डॉ. अजीत कुमार सिन्हा का थाइलैण्ड दौरा

डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, निदेशक, केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची ने 24वें अंतरराष्ट्रीय रेशम कॉंग्रेस में भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय रेशम आयोग एवं थाइलैण्ड क्वीन सिरिकित के रेशम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 10-14 अगस्त, 2016 तक थाइलैण्ड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित कॉंग्रेस का मुख्य विषय था - हरित दुनिया के लिए रेशम एवं सतत् विकास। इस सम्मेलन का उद्देश्य उन्नत प्रौद्योगिकियों के माध्यम से रेशम का विकास एवं बदलते विश्व में रेशम की परम्परा को बनाये रखने एवं विश्व स्तर पर रेशम उत्पादों को सर्व-सुलभ बनाना है। इसमें विश्व के 44 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय रेशम आयोग विश्व में रेशम उद्योग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस कॉंग्रेस में डॉ. सिन्हा ने गैर-शहतूती रेशम सत्र की अध्यक्षता की। गैर-शहतूती सत्र में रेशम उत्पादन करने वाले अनेक देशों की प्रस्तुति हेतु कुल 42 शोध-पत्रों का चयन किया गया था।

थाइलैण्ड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित अंतरराष्ट्रीय रेशम कॉंग्रेस में केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य सचिव, डॉ.एच.नागेश प्रभु, आईएफएस, संस्थान के निदेशक डॉ.अजीत कुमार सिन्हा एवं अन्य प्रतिनिधि

डॉ. वीरेन्द्र पाल गुप्ता, वैज्ञानिक-डी को उत्कृष्ट वैज्ञानिक अवार्ड

डॉ. वीरेन्द्र पाल गुप्ता, वैज्ञानिक-डी, के.त.अ.व प्र.सं., राँची को वर्ष 2015-16 के लिए केन्द्रीय रेशम बोर्ड का उत्कृष्ट वैज्ञानिक (Best Scientist) अवार्ड प्रदान किया गया है। डॉ. गुप्ता को संगठन स्तर का यह राष्ट्रीय अवार्ड तसर रेशम उद्योग में तकनीकी प्रसार एवं प्रशिक्षण क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य लिए प्रदान किया गया है। दिनांक 20.12.2016 को केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूरु में आयोजित एक भव्य समारोह में केन्द्रीय वस्त्र मंत्री, श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी एवं केन्द्रीय वस्त्र राज्यमंत्री श्री अजय टमटा ने डॉ. गुप्ता को यह अवार्ड प्रदान किया। इस समारोह में देश भर के जाने-माने रेशम वैज्ञानिकों के अलावा केन्द्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री, श्री डी.वी. सदानन्द गौड़ा, बिहार से सांसद श्री अश्वनी कुमार चौबे, कनार्टक से सांसदगण श्री बसवाराजा पाटिल एवं सुश्री श्रीमती टीचर, वस्त्र मंत्रालय की सचिव सुश्री रश्मि वर्मा एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी तथा केन्द्रीय रेशम बोर्ड के अध्यक्ष श्री के.एम. हनुमंथरायप्पा, सदस्य सचिव डॉ. एच. नागेश प्रभु एवं मुख्य संस्थानों के निदेशक उपस्थित थे। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से वनस्पति शास्त्र में डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त डॉ. गुप्ता के 200 से अधिक शोध-पत्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हो चुके हैं। उन्होंने तसर एवं शहतूती रेशम के क्षेत्र में 40 से अधिक पुस्तकों, तकनीकी संहिताओं आदि का सम्पादन/लेखन का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी, केन्द्रीय वस्त्र मंत्री एवं श्री अजय टमटा, केन्द्रीय वस्त्र राज्यमंत्री से उत्कृष्ट वैज्ञानिक का अवार्ड ग्रहण करते हुए संस्थान के डॉ. वीरेन्द्र पाल गुप्ता, वैज्ञानिक-डी

श्री के.एम.हनुमंथारायप्पा, अध्यक्ष, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूर का संस्थान भ्रमण

श्री के.एम. हनुमंथारायप्पा, अध्यक्ष, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूर ने दिनांक 11.11.2016 को केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची का दौरा किया । इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ.अजीत कुमार सिन्हा ने उन्हें संस्थान के विभिन्न अनुसंधान व प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी दी। निदेशक के द्वारा उन्हें यह भी अवगत कराया गया कि उत्कृष्ट कार्यों के मद्देनजर हाल ही में इस संस्थान को आईएसओ प्रमाण-पत्र एवं सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा प्रदान किया गया है। माननीय अध्यक्ष ने संस्थान परिसर में एक भव्य प्रशिक्षण भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने वैज्ञानिकों, अधिकारियों, एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह संस्थान तसर रेशम उद्योग के बहुआयामी विकास के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने यह विचार व्यक्त किया कि संस्थान के पास अलग प्रशिक्षण भवन होने से देश भर से आने वाले प्रशिक्षणार्थियों को बेहतर सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने संस्थान द्वारा गोद लिये गये आदर्श ग्राम, हुटार (बेड़ो प्रखण्ड) की 25 महिला बुनकर प्रशिक्षणार्थियों को चेक सौंपा। इसके अलावा उन्होंने परिसर में चंदन का पेड़ भी लगाया। संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं में

किए जा रहे अनुसंधान कार्यों के निरीक्षण के पश्चात् उन्होंने हार्दिक संतोष व्यक्त किया। परिसर प्रक्षेत्र में तसर भोज्य पौधों एवं कीटपालन गतिविधियों की उन्होंने भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री संजीव कुमार सिन्हा, डॉ. वी.पी.गुप्ता, डॉ. जेड.एम.एस.खान, डॉ. जी.पी.सिंह, डॉ. ए.एच.नकवी, श्री सुरेश राय सहित समस्त अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे। तदुपरांत संस्थान के सभागार में उनका स्वागत किया। इस कार्यक्रम का संचालन श्री ललन कुमार चैबे ने किया। कार्यक्रम के समापन के पूर्व डॉ.वी. पी.गुप्ता, वैज्ञानिक-डी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अपने नौ दिवसीय झारखण्ड दौरे पर अध्यक्ष महोदय ने राज्य स्थित बोर्ड के विभिन्न केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने चक्रधरपुर में कृषि मेला में आये तसर कृषकों को सम्बोधित भी किया।

श्री के.एम.हनुमंथारायप्पा, अध्यक्ष, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूर द्वारा संस्थान परिसर में प्रशिक्षण भवन का उद्घाटन

महिला तसर कृषक सशक्तिकरण परियोजना एवं जनजाति उप-परियोजना की समीक्षा

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची में दिनांक 19-20 जुलाई, 2016 को महिला तसर कृषक सशक्तिकरण परियोजना (एमकेएसपी) एवं जनजाति उप-परियोजना (टीएसपी) की समीक्षा बैठक एवं तकनीकी हस्तांतरण पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस समीक्षा बैठक में झारखण्ड, बिहार, छत्तीसगढ़, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना एवं महाराष्ट्र राज्यों के रेशम विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस आयोजन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारीगण के अतिरिक्त गैर-सरकारी संगठन बायफ, कोवेल व प्रदान तथा केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बेंगलूर के अधिकारी भी उपस्थित थे। इस बैठक में तसर उत्पादक राज्यों में संचालित परियोजनाओं की गहन समीक्षा की गई। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने विचार व्यक्त किया कि तसर उद्योग से अधिकाधिक संख्या में महिलाओं को जोड़कर उनका सशक्तिकरण किया जा सकता है। तसर उद्योग में महिलाओं के विकास और उनकी आत्मनिर्भरता के लिए अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने राज्य रेशम विभाग के अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे संस्थान के द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों को प्रक्षेत्र में उतारने का हरसंभव प्रयास करें, जिसके लिए एक-दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन कर उन्हें विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र में महिलाओं को विकसित तकनीकियों का प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु व्यवस्था करें ताकि वे स्वावलम्बी बन सकें। इस कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक, श्री संजीव कुमार सिन्हा सहित समस्त वैज्ञानिक मौजूद थे। वैज्ञानिकों के द्वारा संस्थान द्वारा विकसित नवीनतम प्रौद्योगिकियों की जानकारी पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से दी गई।

आधुनिक कृषि उपकरणों का प्रक्षेत्र परीक्षण

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची के 62.69 एकड़ में फैले विस्तृत प्रक्षेत्र में झारखण्ड कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, हेहल, राँची के द्वारा प्रक्षेत्र की जुताई सम्बन्धी दो अत्याधुनिक मशीनों एम बी प्लाऊ एवं डिस्क हैरो का प्रक्षेत्र परीक्षण किया गया। केन्द्र के टेस्ट इंजीनियर श्री ओंकार सिंह के अनुरोध पर संस्थान में परीक्षण कार्यक्रम आरम्भ किया गया। इन उपकरणों से युक्त ट्रेक्टर की जुताई से तसर भोज्य पौधे के कम दूरी वाले प्लॉटों की भलीभाँति जुताई हो सकती है। इन दिनों संस्थान के प्रक्षेत्र में तसर भोज्य पौधों की पत्तियों में उत्पादन वृद्धि हेतु सनई, ढैंचा आदि के पौधे लगाये गये थे। इन उपकरणों द्वारा उन्हें मिट्टी के अंदर में पलटने से मिट्टी में नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ेगी। संस्थान के निदेशक डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि इससे तसर भोज्य पौधों की गुणवत्ता एवं उत्पादकता में सुधार होगा। फलतः तसर रेशम उत्पादन में भी आशातीत वृद्धि होगी। उन्होंने झारखण्ड सरकार द्वारा की गई इस निःशुल्क सेवा के लिए आभार जताया। इस अवसर पर प्रक्षेत्र में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री संजीव कुमार सिन्हा, डॉ. वी. पी.गुप्ता, डॉ. जे.पी.पाण्डेय एवं डॉ. कर्मवीर जेना सहित कई अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में सहायक कृषि अभियंता, श्री आशीष त्रिपाठी एवं तकनीकी विशेषज्ञ श्री सुनील द्विवेदी का उल्लेखनीय योगदान रहा।

कलर्स ऑफ इंडिपेंडेंस अभियान

वस्त्र मंत्रालय एवं केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची के तत्वावधान में दिनांक 09.08.2016 से 15.08.2016 तक कलर्स ऑफ इंडिपेंडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत संस्थान के द्वारा राँची स्थित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, महत्वपूर्ण स्थलों व मार्केट आदि में एक अभियान चलाया गया। संस्थान के द्वारा

कलर्स ऑफ इंडिपेंडेंस अभियान में शामिल ब्रिजफोर्ड स्कूल, तुपुदाना, राँची के बच्चे एवं अध्यापिकागण

दिनांक 09.08.2016 को ब्रिजफोर्ड विद्यालय, तुपुदाना में बैनर लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम में स्कूल के छात्र/छात्राओं ने उत्साह से भाग लेकर विभिन्न तरीकों से खासकर बैनर पर लिखकर देश प्रेम के प्रति अपने भाव को प्रकट किया। दिनांक 10.08.2016 को डीएवी श्यामली, दिनांक 11.08.2016 को डीएवी, हेहल, दिनांक 12.08.2016 व 13.08.2016 को संत जेवियर स्कूल एवं संत जेवियर कॉलेज, दिनांक 14.08.2016 को पतराचौली माध्यमिक एवं उच्च विद्यालय में खादी के बैनर पर आजादी के सम्बन्ध में पेंटिंग अथवा शब्दों के माध्यम से भावभिव्यक्ति के लिए सघन अभियान चलाया गया।

हिन्दी दिवस/पखवाड़ा का आयोजन

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची में दिनांक 01.09.2016 से 14.09.2016 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। दिनांक 14.09.2016 को हिन्दी दिवस तथा पखवाड़ा का समापन समारोह मनाया गया। इस दिवस को भारतीय भाषाओं के सौहार्द दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक डॉ.अजीत कुमार सिन्हा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

डॉ.अजीत कुमार सिन्हा, निदेशक से पीएमईसी अनुभाग के वैज्ञानिक व कर्मचारी राजभाषा चलशील्ड ग्रहण करते हुए

श्री सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने स्वागत भाषण किया एवं कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्थान के निदेशक ने संस्थान में हो रहे राजभाषा कार्यों की प्रशंसा की एवं उपस्थित वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कर्मचारियों से अपने कामकाज में अधिकाधिक हिन्दी प्रयोग सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान 08 प्रतियोगिताओं यथा-टिप्पण-आलेख, शब्दावली, राजभाषा ज्ञान, कविता वाचन, आशु भाषण प्रतियोगिता, सुलेख, श्रुतलेख एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निदेशक ने श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

इसके अलावा वर्ष 2015-16 के दौरान हिन्दी में मूल कामकाज दावा करने वाले 13 कर्मचारियों को नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। संस्थान में अधिक पत्राचार करने वाले अनुभागों में पी.एम.ई.सी. अनुभाग को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशिक्षण अनुभाग को प्रशस्ति-पत्र, कम पत्राचार करने वाले अनुभागों में वाहन अनुभाग को राजभाषा चलशील्ड एवं पुस्तकालय अनुभाग को प्रशस्ति-पत्र तथा वैज्ञानिक अनुभागों में रसायन अनुभाग को राजभाषा चलशील्ड एवं शरीर क्रिया विज्ञान अनुभाग को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर गणमान्य पदाधिकारियों के संदेश का पाठ किया गया। डॉ.वी.पी.गुप्ता, वैज्ञानिक-डी ने गृह मंत्री, डॉ.जी.पी.सिंह, वैज्ञानिक-डी ने अध्यक्ष, केन्द्रीय रेशम बोर्ड एवं श्रीमती सुस्मिता दास, वैज्ञानिक-डी ने सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड के संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर गीत-संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसका संचालन श्री ललन कुमार चौबे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ.ए.एच.नकवी, वैज्ञानिक-डी द्वारा किया गया।

गाँधी जयंती के अवसर पर आदर्श रेशम ग्राम हुटार में स्वच्छता अभियान एवं वस्त्र वितरण कार्यक्रम

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची द्वारा इस वर्ष गाँधी जयंती के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। संस्थान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें सभी वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कर्मचारियों

संस्थान परिसर में आयोजित गाँधी जयंती समारोह में अधिकारियों/कर्मचारियों को शपथ दिलाते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. अजीत कुमार सिन्हा

एवं कुशल कामगारों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ.अजीत कुमार सिन्हा द्वारा आर्मी वेलफेयर फंड जुटाने हेतु परिसर में एक पेटी लगायी गयी जिसका उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि हमें देश के सैनिकों के लिए आगे बढ़कर कुछ करना चाहिए एवं संस्थान के सभी सदस्यों का यह कर्तव्य है कि वे सीमा पर तैनात जवानों के कल्याणार्थ अपनी आय का कुछ हिस्सा देकर सहयोग करें।

गाँधी जयंती के अवसर पर राधा रानी नगर चेरिटेबल ट्रस्ट में कुष्ठ रोगियों के बीच साड़ी का वितरण करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ.अजीत कुमार सिन्हा एवं डॉ. जी.पी.सिंह, वैज्ञानिक-डी

डॉ. सिन्हा ने यह भी कहा कि गाँधी जयंती मनाने की सार्थकता तब है जब हम गाँधी जी के द्वारा दिए गए संदेशों को अपने जीवन में उतारें एवं समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु उन्हें समर्थ बनायें। गाँधी जी ग्रामीण विकास को बहुत महत्व देते थे। हमारा तसर रेशम उद्योग भी ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है एवं ग्रामीण बेरोजगारी को दूर करने का सशक्त माध्यम बन रहा है। इससे समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े एवं खासकर ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

आदर्श रेशम ग्राम हुटार में गाँधी जयंती के अवसर पर महिलाओं के बीच इस संस्थान द्वारा टब, बाल्टी, झाड़ू एवं साड़ी आदि सामग्रियों के साथ संस्थान की टीम में श्री संजीव कुमार सिन्हा, वैज्ञानिक-डी एवं अन्य तकनीकी कर्मचारी

इस अवसर पर संस्थान द्वारा गोद लिये गये गाँव हुटार (बेड़ो) के बुजुर्ग ग्रामीण महिलाओं के बीच 75 साड़ियों का वितरण किया गया। इसके साथ हुटार गाँव के सरकारी स्कूल में पानी के लिए जग, स्टूल, डस्टबीन, लेखन सामग्री आदि भी संस्थान के द्वारा दी गई। इस अवसर पर स्कूली बच्चों के बीच अल्पाहार सामग्री का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में राधा रानी नगर स्थित चैरिटेबल ट्रस्ट में कुष्ठ रोगियों के बीच भी गाँधी जयंती के अवसर पर साड़ी व अल्पाहार का वितरण संस्थान द्वारा किया गया।

संस्थान द्वारा टाना भगतों के बीच रेडियो का वितरण

दिनांक 17 अक्टूबर, 2016 को राँची स्थित झारखण्ड खादी बोर्ड के कार्यालय में बोर्ड के अध्यक्ष माननीय श्री संजय सेठ की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची के सौजन्य से टाना भगतों के बीच रेडियो का वितरण किया गया ताकि टाना भगत नियमित रूप से प्रधानमंत्री के 'मन की बात' को सुन सकें। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ.अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि रेडियो में खेती किसानी से सम्बन्धित प्रतिदिन उपयोगी कार्यक्रम आता है। इसमें समय-समय पर विशेषज्ञ तसर खेती के अलावा सूत कातने, बुनाई आदि के सम्बन्ध में विशेष रूप से जानकारी देते हैं। इस कार्यक्रम से अवश्य लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने टाना भगतों को अपने संस्थान में तसर रेशमकीट पालन से सम्बन्धित निःशुल्क प्रशिक्षण देने की पेशकश भी की।

झारखण्ड खादी बोर्ड कार्यालय में डॉ.अजीत कुमार सिन्हा, निदेशक एवं श्री संजय सेठ, अध्यक्ष, झारखण्ड खादी बोर्ड द्वारा टाना भगतों के बीच रेडियो वितरण

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची में दिनांक 29.10.2016 को दीपावली की पूर्व संध्या पर एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ.अजीत कुमार सिन्हा ने शहीद जवान स्वर्गीय महेश लकड़ा की पत्नी श्रीमती बसंती लकड़ा को शॉल ओढाकर सम्मानित किया। डॉ.सिन्हा ने इस भावुक क्षण में देश के वीर शहीदों का स्मरण करते हुए विचार व्यक्त किया कि सैनिक भयानक कष्ट एवं आपदा सहते हुए हमारी सरहद की रक्षा करते हैं। उन्हीं की बदौलत आज हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं एवं हम अपने घर में शांतिपूर्वक समय व्यतीत करते हैं। हमें सैनिकों

डॉ.अजीत कुमार सिन्हा, निदेशक द्वारा शहीद महेश लकड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती बसंती लकड़ा का सम्मान

के परिवार-जनों के लिए आगे बढ़कर कुछ करना चाहिए। इसी उद्देश्य से हमने संस्थान में सैनिक कल्याण कोष के लिए अंशदान एकत्र करने हेतु एक पेटिका भी लगायी है। संस्थान के वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कर्मचारियों को खुले दिल से इसमें आर्थिक सहयोग करना चाहिए। पूरे देश में इस वर्ष दीपावली में एक दीया शहीदों के नाम जलाने का संकल्प लिया गया है। तदनुसार परिसर में सैनिकों के नाम दीप प्रज्ज्वलित किया गया। यह समय की माँग है कि हम अपने सैनिकों का मनोबल बढ़ाने के लिए पूरी एकजुटता प्रदर्शित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारी श्रीमती गंगोत्री कुजूर, विधायक, मांडर विधानसभा क्षेत्र ने इस दीवाली को शहीदों के नाम समर्पित करने की अपील की एवं अनुरोध किया कि हमें अपने-अपने घरों में शहीदों के नाम से एक दीया अवश्य जलाना चाहिए। इस अवसर पर शहीद महेश लकड़ा की धर्म पत्नी ने भी अपना उद्गार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शहीदों की स्मृति के सम्बन्ध में डॉ.जे.पी.पाण्डेय, वैज्ञानिक-सी द्वारा पिक्टोरियल प्रस्तुति की गई। श्री राम पाण्डेय एवं पी.जी.डी.एस के प्रशिक्षणार्थियों ने देशभक्ति गीतों का गायन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री ललन कुमार चौबे ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ.वी.पी. गुप्ता, वैज्ञानिक-डी द्वारा किया गया।

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम में दीपावली की पूर्व संध्या पर शहीदों के नाम दीप प्रज्ज्वलित करते हुए मांडर विधायक श्रीमती गंगोत्री कुजूर, शहीद महेश लकड़ा की धर्मपत्नी श्रीमती बसंती लकड़ा, संस्थान के निदेशक डॉ.अजीत कुमार सिन्हा एवं श्री केशव कुमार भगत, वरिष्ठ पत्रकार, राँची एक्सप्रेस

सतर्कता-जागरूकता सप्ताह का आयोजन

केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची में दिनांक 31.10.2016 से 05.11.2016 तक सतर्कता-जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। दिनांक 31.10.2016 को संस्थान के निदेशक डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता सम्बन्धी शपथ दिलायी। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोक सेवकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे पारदर्शी ढंग से समस्त सरकारी कामकाज को निष्पादित करें। उन्होंनें यह भी अनुरोध किया कि शपथ ग्रहण में लिये गये शपथ को अमलीजामा पहनाने हेतु हमें ईमानदारी के साथ अपना कार्य करना चाहिए। पोस्टर-बैनर के माध्यम से कर्मचारियों का ध्यान सतर्कता सम्बन्धी प्रमुख बिन्दुओं पर आकर्षित किया गया। दिनांक 03.11.2016 को आयोजित भाषण प्रतियोगिता का विषय था - सत्यनिष्ठा/ईमानदारी को बढ़ावा देने तथा भ्रष्टाचार को समाप्त करने में लोक सहभागिता। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्री सुबल चन्द्र सीट, तकनीकी सहायक तथा द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः श्री मधुसूदन कुमार, आशुलिपिक एवं आदर्श कुमार लाल, तकनीकी सहायक रहे। दिनांक 05.11.2016 को मुख्य समारोह में प्रतिभागियों ने पावर प्वाइंट के द्वारा भ्रष्टाचार निवारण से सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर उपस्थित वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का ध्यान आकृष्ट किया। प्रस्तुतिकरण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर डॉ.जे.पी.पाण्डेय, वैज्ञानिक-सी तथा द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः डॉ. जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक-बी एवं श्री सुरेश राय, वैज्ञानिक-डी रहे। इसके पूर्व डॉ. वीरेन्द्र पाल गुप्ता, वैज्ञानिक-डी तथा श्री सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय, सहायक निदेशक (राजभाषा) भी निर्धारित विषय पर प्रभावी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अध्यक्षीय अभिभाषण में संस्थान के निदेशक डॉ.अजीत कुमार सिन्हा ने अपील की लोक सेवक होने के नाते हम सत्यनिष्ठा को कार्यालयीन जीवन में सर्वोपरि स्थान दें। प्रतियोगिताओं के श्रेष्ठ प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय, सहायक निदेशक (राजभाषा) तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री ललन कुमार चौबे, कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी) ने किया।

सतर्कता-जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी को पुरस्कार देते संस्थान के निदेशक डॉ.अजीत कुमार सिन्हा

संस्थान को राजभाषा पुरस्कार

संस्थान को पूर्वी क्षेत्र में संघ की राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सिक्किम की राजधानी गंगटोक में आयोजित समारोह में श्री किरन रिजिजू, माननीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार एवं सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री श्रीनिवास दादा साहब पाटिल से संस्थान के सहायक निदेशक (रा.भा.) श्री एस.के. उपाध्याय ने शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र ग्रहण किया।

संविधान दिवस का आयोजन

संस्थान में बाबा साहेब भीम राव अम्बेदकर की 125वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दिनांक 26.11.2016 संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने उपस्थित सभी वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कर्मचारियों से संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलवायी। उन्होंने सबसे अपने कर्तव्य तथा दायित्व का ईमानदारी एवं निष्ठा से पूर्ण करने का अनुरोध किया।

संविधान दिवस के अवसर पर अधिकारियों/कर्मचारियों को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाते हुए संस्थान केनिदेशक डॉ. अजीत कुमार सिन्हा

प्रकाशक एवं संरक्षक
डॉ.अजीत कुमार सिन्हा
निदेशक

प्रबन्ध सम्पादक
डॉ. वीरेन्द्र पाल गुप्ता
वैज्ञानिक-डी

सम्पादक
श्री ललन कुमार चौबे
कनि. अनुवादक (हिन्दी)

शब्द संसाधन
श्री सिकन्दर रविदास
आशुलिपिक ग्रेड-II (हि.)

सम्पर्क सूत्र
केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान,
पिस्का-नगड़ी, राँची - 835303, दूरभाष: 0651-2775943